सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 212 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 9 सितम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-

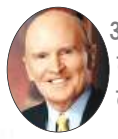

अपना भाग्य स्वयं नियंत्रित करिए, नहीं तो कोई और करने लगेगा।
-जैक वेल्च

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में श्री चरणी... 7 | खतौली में भाजपा के खिलाफ किसान... 3 | आंदोलनकारी छात्र हैं, कोई अपराधी... 2

हाथ में इलायची, मुंह में कैंसर, अर्थ का अनर्थ करता ब्रांडिंग बाजार

शाहरूख, अजय देवगन और टाइगर श्राफ को एफडीए का नोटिस

» महाराष्ट्र एफडीए के नोटिस से दिल्ली हाई कोर्ट तक पहुंचा मामला

» क्या दूसरे उत्पाद के नाम से उसी ब्रांड की पहचान को घर-घर पहुंचाया जा रहा है?

» छह साल पहले कोरोना काल में पान मसाला पर 4PM संपादक संजय शर्मा की पीआईएल वाला सवाल फिर सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विज्ञापन इलायची का ब्रांडिग पान मसाले की, विज्ञापन कपड़ों का ब्रांडिंग सिगरेट की, विज्ञापन ताकत का ब्रांडिग सेक्स प्रोडक्ट की। अर्थ का अनर्थ करते विज्ञापन बाजार ने समाज को ऐसे चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां से हर रास्ता बर्बादी और बीमारी की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। 4PM संपादक संजय शर्मा ने वर्ष 2020 में एक पीआईएल दाखिल कर ज्वलंत सवालों को पब्लिक प्लेटफार्म पर लेकर आये थे।

स्क्रीन पर शाहरुख खान हैं अजय देवगन हैं टाइगर श्रॉफ हैं और उनके हाथ में है इलायची का विज्ञापन। विज्ञापन कहता है कि इलायची लेकिन जिस नाम को लेकर यह लोग इलायची कह रहे हैं वह नाम सीधे उपभोक्ता को पान मसाले की दुनिया में पहुचा रहा है। मौजूदा सूरते हाल में सवाल यह है कि क्या किसी ऐसे ब्रांड की पहचान जिस पर सीधे प्रचार को लेकर सवाल उठते रहे हैं दूसरे उत्पाद के नाम के रास्ते उसी ताकत से लोगों तक पहुंचाई जा सकती है?

अगर यह सिर्फ इलायची है तो इलायची बेचिए

इलायची की खुशबू बताइए उसका स्वाद बताइए उसकी गुणवत्ता बताइए उसके किसानों की कहानी बताइए लेकिन अगर सवाल यह है कि इलायची के बहाने किसी दूसरे उत्पाद से जुड़ी ब्रांड पहचान को जिंदा रखा जा रहा है तो सवाल पूछा जाएगा। क्योंकि विज्ञापन सिर्फ उत्पाद नहीं बेचता विज्ञापन याददाश्त बेचता है पहचान बेचता है चेहरा बेचता है भरोसा बेचता है। और जब सामने देश के सबसे बड़े सुपरस्टार हों तब उस विज्ञापन का असर भी सवालों से बाहर नहीं रह सकता।

शाहरुख अजय और टाइगर के विज्ञापन पर सवाल

4PM संपादक संजय शर्मा की पीआईएल वाला सवाल फिर सामने

पैसा कितना ताकतवर है?

छह साल बाद नाम बदल गए चेहरे बदल गए विज्ञापन का माध्यम भी बदल गया है लेकिन सवाल की शक्ल वही अपनी पुरानी जगह है। क्या करोड़ों का विज्ञापन किसी ब्रांड की वह पहचान मिटा सकता है जिस पर सवाल उठते रहे हैं? क्या इलायची का पैकेट सामने रखकर उस नाम को करोड़ों घरों तक पहुंचाया जा सकता है जिसे उपभोक्ता किसी दूसरे उत्पाद से जोड़ता है। और अगर ऐसा है तो फिर कानून की सीमा कहां है। कंपनियां कारोबार करें पैसा कमाएं रोजगार दें टैक्स दें देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दें राहत कोष में पैसा दें किसी को इससे शिकायत नहीं होनी चाहिए लेकिन दूसरी तरफ सवाल भी उतना ही साफ है कि दान का स्वागत हो सकता है मगर क्या दान सवाल पूछने के अधिकार को खरीद सकता है?

सवाल जो पीछा नहीं छोड़ेंगे

➢ सवाल नम्बर एक – इलायची बिक रही है या ब्रांड की पहचान?
सामने इलायची है लेकिन क्या उपभोक्ता के दिमाग में उसी ब्रांड का दूसरा उत्पाद भी पहुंच रहा है?

➢ सवाल नम्बर दो – सरोगेट विज्ञापन की सीमा आखिर कहां है?
अगर सीधे प्रचार पर सवाल उठता है तो क्या दूसरे उत्पाद के नाम से वही ब्रांडिंग जारी रखी जा सकती है?

➢ सवाल नम्बर तीन – सुपरस्टार का चेहरा सिर्फ चेहरा है?
अगर करोड़ों रुपये इसलिए दिए जाते हैं कि स्टार की लोकप्रियता उत्पाद को बेच सके तो क्या उसी लोकप्रियता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी नहीं आती?

➢ सवाल नम्बर चार – 10 करोड़ रूपयों का दान और स्वास्थ्य का सवाल क्या दोनों अलग नहीं होने चाहिए?
2020 की पीआईएल में पीएम केयर्स फंड में 10 करोड़ रूपयों के योगदान का कंपनी की ओर से अदालत में उल्लेख हुआ था। क्या किसी राहत कोष में दिया गया योगदान उत्पाद से जुड़े स्वास्थ्य सवालों का जवाब हो सकता है?

➢ सवाल नम्बर पांच – सरकार किसके प्रति जवाबदेह है? ब्रांड के प्रति या जनता के प्रति?
कंपनी कितनी भी बड़ी हो विज्ञापन में कितने भी बड़े चेहरे हों अगर सार्वजनिक स्वास्थ्य का सवाल है तो क्या नियामक को उसी कठोरता से जांच नहीं करनी चाहिए?

अभी तो कहानी शुरू हुयी है

थोड़ा सा फ्लैशबैक में चलते हैं याद कीजिए देश कोरोना की चपेट में था। लॉकडाउन था लोग घरों में कैद थे सरकार लोगों से कह रही थी कि मास्क लगाइए दूरी रखिए हाथ साफ रखिए और सार्वजनिक जगहों पर मत थूकिए। उसी दौर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से राज्यों को पान मसाला, सुपारी और बिना धुएं वाले तंबाकू के इस्तेमाल से ज्यादा लार बनने और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से संक्रमण के खतरे की चिंता बताई गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने 25 मार्च 2020 को पान मसाला पर रोक लगा दी थी। फिर कुछ सप्ताह बाद 6 मई को पान मसाला बनाने और बेचने की अनुमति दोबारा दे दी गई थी। यहीं से सवाल उठता है कि जब संक्रमण का खतरा था तो रोक क्यों? और जब संक्रमण फैल रहा था तो अनुमति क्यों? यह सवाल पूछने वाले व्यक्ति पत्रकार संजय शर्मा कैमरे से निकलकर अदालत की चौखट तक पहुंचते हैं उन्होंने जनहित में इलाहाबाद हाई कोर्ट में जनहित याचिका Civil Miscellaneous Writ Petition (PIL) No. 594 of 2020 दाखिल की । याचिका में महामारी के बीच पान मसाला के उत्पादन और बिक्री की अनुमति पर सवाल उठाया गया। फिर इस मुकदमे में एक ऐसा मोड़ आया जिसने सवाल को और बड़ा कर दिया। रजनीगंधा पान मसाला बनाने वाली कंपनी धर्मपाल सत्यपाल लि. अदालत के सामने आयी। कंपनी ने अपने एफिडेविट में पीएम केयरर्स फंड में 10 करोड़ रुपये दान दिए जाने और कोरोना काल में अन्य राहत कार्यों पर खर्च का उल्लेख किया। ऐसे में दान अपनी जगह राहत अपनी जगह है लेकिन सवाल फिर अपनी जगह खड़ा है कि क्या किसी राहत कोष में दिया गया करोड़ों का फंड किसी प्रोडक्ट से जुड़े हेल्थ संबधी सवालों को खत्म कर सकता है?

आंदोलनकारी छात्र हैं, कोई अपराधी नहीं : अखिलेश

» गोरखपुर में छात्रों को ठंडा करने की बात करने वाले दारोगा पर भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा व सीएम योगी पर करारा प्रहार किया है। गोरखपुर यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों को हड़काते हुए दारोगा ने छात्रों को चेतावनी देते हुए कह रहे हैं कि इतनी फोर्स लगाऊंगा कि ठंडा कर दूंगा...जान नहीं रहे हो, ये गोरखपुर पुलिस है। वहीं इस वीडियो को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी निशाना साधा है।

इस मामले को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए लिखा कि आंदोलनकारी छात्रों के साथ संयम और सौम्यता बरती जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, मुख्य-मुख से प्रेरित हैं, इसीलिए मौखिक रूप से इतने उद्वेलित हैं। संयम रखें और सौम्यता भी क्योंकि ये आंदोलनकारी छात्र हैं, कोई अपराधी नहीं। बता दें दीनदयाल उपाध्याय

गोरखपुर विश्वविद्यालय में छात्रों के आंदोलन के दौरान मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। प्रशासनिक भवन के बाहर भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों और एडिशनल प्रॉक्टर डॉ. वेद प्रकाश राय के बीच नोकझोंक के बाद छात्रों ने उन्हें दौड़ा लिया। इस घटना के बीच गोरखपुर पुलिस के एक दारोगा का धमकी भरा कथित वीडियो भी वायरल हो रहा है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने गोरखपुर की घटना को लेकर आरोप लगाया कि गोरखपुर की पुलिस योगी जी के संरक्षण में माफियाओं जैसा व्यवहार कर रही है।

ये है मामला

जानकारी के मुताबिक विश्वविद्यालय में छात्र समस्याओं और कथित अनियमितताओं को लेकर 25 अगस्त से प्रशासनिक भवन के सामने धरना चल रहा है। 5 सितंबर से दो छात्र नेताओं सतीश प्रजापति और उज्वल सिंह ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। मंगलवार 8 सितंबर को दोपहर करीब 2:30 बजे एडिशनल प्रॉक्टर डॉ. वेद प्रकाश राय छात्रों से बातचीत करने और उनकी मांगें सुनने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि मांगों को लेकर छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच सहमति नहीं बन सकी।

भाजपा वाले बहरूपिया हैं

मैनपुरी में सीओ सिटी अशोक सिंह के वायरल वीडियो को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, उसकी मूंछें छोटी थीं। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद सीओ अशोक सिंह ने सफाई देते हुए कहा था कि उनके वीडियो को क्रॉप करके प्रसारित किया गया है। अखिलेश यादव ने नई पीढ़ी और छात्रों को पार्टी से जोड़ने के लिए समाजवादी छात्र सभा के छात्र जागरूकता अभियान का एलान किया। उन्होंने कहा कि छात्र सभा के कार्यकर्ता विश्वविद्यालयों और कैंपस में जाकर छात्रों से संवाद करेंगे और उन्हें समाजवादी विचारधारा से जोड़ने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी की सोच नई होती है। इसलिए नई सोच और नई विचारधारा के साथ छात्रों के बीच जाने की जरूरत है। कैंपस में छात्रों से मिलने वाले सुझावों को समाजवादी पार्टी के घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा।

पीडीए का मतलब प्रेम, दया और अपनापन भी

अखिलेश यादव ने पीडीए को सामाजिक न्याय से जोड़ते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी लगातार पीड़ित, दुखी और अपमानित लोगों को जोड़ने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पीडीए का मतलब केवल राजनीतिक समीकरण नहीं है, बल्कि प्रेम, दया और अपनापन भी है। उन्होंने कहा कि पीडीए के लोगों को जोड़कर सामाजिक न्याय का राज स्थापित करने की दिशा में काम किया जाएगा। अखिलेश ने दावा किया कि इसमें किसी के साथ पक्षपात नहीं होगा और नकारात्मक राजनीति से दूर रहते हुए लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

श्रीनगर में वंदे मातरम गाने पर सियासी बवाल

कांग्रेस ने की नेकां पर आपत्ति, नेकां बोली- अपनी बात मत थोपो, भाजपा ने भी कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। वंदे मातरम् पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में श्रीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस की आपत्ति ने एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है। जहां सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस से कहा है कि वह गठबंधन सहयोगियों को अपनी शर्तें नहीं थोप सकती, वहीं बीजेपी ने कांग्रेस पर मुस्लिम लीग जैसा होने का आरोप लगाया है।

यह राजनीतिक विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में राष्ट्रगीत के पूरे संस्करण को बजाए जाने पर आपत्ति जताई। कार्यक्रम में गाए जा रहे गीत के पूरे संस्करण का वीडियो शेयर करते हुए, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस को सलाह दी कि वे गीत के छोटे संस्करण पर कायम रहने के मामले में पार्टी का साथ दें। उन्होंने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया...हमारे लिए महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस, राजेंद्र प्रसाद, आचार्य नरेंद्र देव, मौलाना आज़ाद, सरोजिनी नायडू और जे.बी. कृपलानी की सोच और फैसले सबसे अहम हैं और इस सोच को बनाने में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह की भी

बड़ी भूमिका थी। हम सम्मान और विनम्रता के साथ अपने सहयोगियों से चाहेंगे कि वे हमारे आजादी के दीवानों की समझ और फैसले का सम्मान करें।

ऐतिहासिक गीत का वही वर्जन गाएं जिसे पुराने नेताओं ने अपनाया था : वेणुगोपाल

हम चाहेंगे कि वे हमारे साथ मिलकर इस खूबसूरत और ऐतिहासिक गीत का वही वर्जन गाएं जिसे उन नेताओं ने अपनाया था। उस वर्जन को सोच-समझकर चुना गया था ताकि इस गीत को सांप्रदायिक रंग न दिया जा सके। यह खतरा आज भी उतना ही असली है जितना उस समय था। उस वर्जन को अपनाकर ही हम अपने गणतंत्र की धर्मनिरपेक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाली पहचान को बनाए रख सकते हैं।कांग्रेस नेता ने अपने सहयोगियों से आजादी के सेनानियों की समझ और फैसले का सम्मान करने और पार्टी के साथ मिलकर उस खूबसूरत और ऐतिहासिक गीत का वही वर्जन गाने का आग्रह किया जिसे पार्टी ने अपनाया था।

आप यह तय नहीं कर सकते कि गाना है या कितना गाना है : बशीर अहमद

इस बात पर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने तीखी प्रतिक्रिया दी और जोर देकर कहा कि कांग्रेस अपने सहयोगियों को शर्तें नहीं थोप सकती। नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता बशीर अहमद ने कहा, गठबंधन सहयोगी के तौर पर आप यह तय नहीं कर सकते कि गाना है या कितना गाना है। वेणुगोपाल को ट्वीट करने का अधिकार है, लेकिन वे अपनी बात थोप नहीं सकते। यह लोगों की पसंद है। हम लोगों पर कुछ भी थोपने के खिलाफ हैं।

इस मुद्दे पर कांग्रेस पूरी तरह अलग-थलग पड़ी : सुधांशु

वहीं, भाजपा ने पूरे वंदे मातरम पर आपत्ति जताने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। राज्य सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पूरे वर्जन को गाने पर पार्टी की आपत्ति से कोई शक नहीं रह जाता कि वह 21वीं सदी की नई मुस्लिम लीग बन गई है। त्रिवेदी ने कहा कि इस मुद्दे पर कांग्रेस पूरी तरह अलग-थलग पड़ गई है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि इससे साफ होता है कि दिमागी नक्सल कांग्रेस अब मुस्लिम लीग कांग्रेस में बदल गई है और कट्टरपंथी ताकतों के सामने पूरी तरह झुक गई है।

विदेशी मुस्लिमों को पीएम बताते है भाई देश के मुसलमान दुश्मन क्यों : राउत

» गरबा और मुसलमानों के विवाद पर बोले शिवसेना यूबीटी सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। नवरात्रि के पावन पर्व पर देशभर में अलग-अलग जगहों पर मां दुर्गा के पंडाल लगते हैं और लोग खुशी से गरबा खेलते हैं और माता की पूजा करते हैं। हर साल ही गरबा कार्यक्रम से पहले एक मुद्दा उठता है कि मुसलमानों को इन आयोजनों में एंट्री मिलेगी कि नहीं, इसी के साथ एक सांस्कृतिक और प्यार बांटने वाला त्योहार राजनीति की भेंट चढ़ जाता है। इस साल भी ऐसा ही कुछ हो रहा है।

महाराष्ट्र में बीजेपी के मंत्री नितेश राणे ने हमेशा की तरह यह बयान दे दिया है कि मुसलमानों को गरबा में प्रवेश नहीं दिया जाना चाहिए। हालांकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने नितेश राणे के खिलाफ बयान दिया जो चर्चा का विषय बन गया है। इस बीच अब उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है। संजय राउत का कहना है कि अगर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश में जाकर मस्जिदों में जाते हैं, वहां के इस्लामिक राज्य प्रमुखों के गले लगते हैं, उन्हें अपना भाई बताते हैं, तो भारत के मुसलमान हमारे भाई क्यों नहीं हुए? संजय राउत ने सवालिया लहजे में कहा, सऊदी अरब के युवराज को पीएम मोदी को

बलते हैं न माई ब्रदर? तो भारत में भी हमारे ब्रदर्स हैं। उन ब्रदर्स को खुशियों में शामिल करने से क्यों रोकना चाहिए? सऊदी में ब्रदर्स हैं और भारत में दुश्मन, ये कैसे चलेगा? इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने भी नितेश राणे से असहमति जताते हुए कहा था कि मुसलमान अगर गरबा उत्सव में शामिल होते हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हिंदुओं के त्योहार सबको साथ लेकर चलने वाले उत्सव होते हैं। अमृता फडणवीस ने कहा था कि एक अच्छे समाज के लिए यह जरूरी है कि त्योहार मनाए जाएं। इसी के साथ यह भी जरूरी है कि सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों का भी ध्यान रखा जाए। हमारे उत्सव से कोई दूसरा व्यक्ति परेशान न हो, नियमों का पालन हो, लोगों में श्रद्धा का भाव हो, यह जरूरी है।दरअसल, गरबा आयोजन से पहले विश्व हिंदू परिषद की ओर से मांग की गई थी कि हिंदुओं के आयोजन में मुसलमानों को प्रवेश न दिया जाए। वीएचपी की इस अपील का समर्थन नितेश राणे ने किया था।

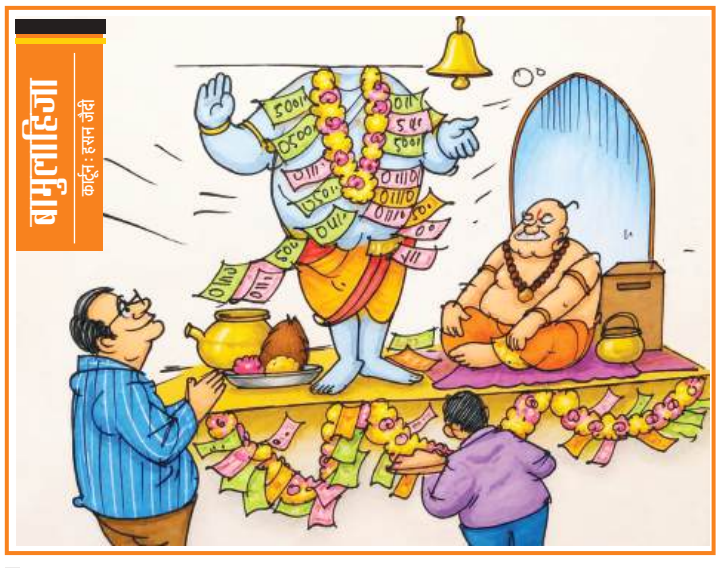

रायबरेली पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

» व्यापारियों और वकीलों से मिलकर जानी समस्याएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे के दौरान व्यापारियों, वकीलों, फार्मासिस्टों और अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और उन्हें हल करने की कोशिश की जाएगी। एक स्थानीय कांग्रेस नेता ने यह जानकारी दी।

कांग्रेस नेता ने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर

मंगलवार शाम को अपने लोकसभा क्षेत्र रायबरेली पहुंचे और इस दौरान उनका बैंड-बाजे और पुष्प वर्षा के बीच भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लखनऊ में चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय विमान तल पर उतरने के बाद रायबरेली के लिए रवाना हुए। इस बार उनका काफिला लखनऊ-हैदरगढ़-लाही बॉर्डर होते हुए महराजगंज बाजार से रायबरेली के लिए निकला। महराजगंज चौराहे पर माहौल उत्साह से भर गया। ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया।

स्थानीय कांग्रेस नेता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि महराजगंज में गांधी का काफिला कुछ पलों के लिए ही थमा। वह गाड़ी से नीचे नहीं उतरे और गाड़ी में बैठे-बैठे ही उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया इस दौरान अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के हित, सम्मान और अधिकारों के लिए राहुल गांधी सदैव प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस नेता ने बताया कि गांधी के बुधवार शाम लखनऊ होते हुए दिल्ली के लिए रवाना होने का कार्यक्रम है।

खतौली में भाजपा के खिलाफ किसान-युवा

हर जुबां पर एक ही बात- भाजपा सरकार ने किसानों का गला घोंट दिया

» नेता गांव में घुसा तो बाहर निकालेंगे, सरकार बदल के रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

क्षितिजकांत

एक्सक्लूसिव ग्राउंड रिपोर्ट
खतौली विधानसभा मुजफ्फरनगर

खतौली, मुजफ्फरनगर। खतौली गन्ना बेल्ट में इस बार सियासी भूचाल आ गया है। दैनिक बेबाक खबर की टीम जब ग्राउंड पर पहुंची तो किसानों और युवाओं का गुस्सा फूट पड़ा।

हर जुबां पर एक ही बात – भाजपा सरकार ने किसानों का गला घोंट दिया है, अब बदलाव तय है। खतौली की धरती बोल रही है – महंगाई, बेरोजगारी और गन्ना मूल्य ने भाजपा की जड़ें हिला दी हैं। किसान-युवा एकजुट, इस बार आर-पार की लड़ाई तय।

साल से गला घोटा गन्ने की खेती अब मजबूरी : किसान सचिन

खतौली के प्रगतिशील किसान सचिन ने कहा, मैं खेती करता हूं, मैं किसान हूं। मैं गन्ने की, पॉपुलर की, धान की, गेहूं की खेती करता हूं, सबसे ज्यादा खेती गन्ने की होती है। पूरा देश चीनी की महंगाई से परेशान है लेकिन किसानों को क्या मिला? कोई लाभ नहीं।सचिन ने कहा, आप जाकर ग्राउंड पर सर्वे कर लो, सरकार बंद कमरे में बैठकर फैसला लेती है जिससे किसान का कोई लाभ नहीं है। जब से भाजपा सरकार आई है 10 साल से गन्ना किसानों का गला घोट दिया है। सरकार कहती है गन्ना किसानों को हमने पैसा दे दिया, लेकिन हमारा पैसा था हमें दे दिया है, अपने पास से नहीं दिया। उन्होंने कहा, योगी जी ने इतने समय में लगभग 60 बढ़ाए हैं, इससे हमारा कोई लाभ नहीं हुआ और पेस्टिसाइड वगैरा के दाम दोगुने हो गए हैं। गन्ने की खेती करना अब हमारे लिए मजबूरी बन चुका है। हम अपने बच्चों को भी सही से नहीं पढ़ा पा रहे हैं और महंगाई आसमान छू रही है। हम सरकार बदल के रहेंगे।

पेट्रोल वाली बाइक छोड़ी, स्कूटी पर आए, बिजली भी महंगी छोटे किसान का कुछ है ही नहीं : किसान हिमांशु कौशिक

छोटे किसान हिमांशु कौशिक ने कहा, हम खेती किसानी करते हैं। पहले हम मोटरसाइकिल चलाते थे पेट्रोल वाली, अब हम इलेक्ट्रिक स्कूटी पर आ गए हैं और बिजली भी महंगी हो गई है। काम धंधा चल नहीं रहा है, हमारा सिर्फ नुकसान ही हुआ है, फायदा कुछ नहीं हुआ। छोटे किसानों का इस धरती पर कुछ है ही नहीं। उन्होंने सरकार के दावों की पोल खोलते हुए कहा, सरकार फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, किसानों की आय दुगनी होने का पूरे देश में डंका बजाती है, लेकिन इसकी जमीनी हकीकत ग्राउंड स्तर पर शून्य है।

ना नौकरी, ना विकास - भाजपा को एक भी वोट नहीं मिलेगा - युवा आकाश खत्री

युवा आकाश खत्री ने कहा, भाजपा सरकार ने कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे युवा पीढ़ी को कोई फायदा हो। ना नौकरी है, ना विकास है। भाजपा को हम किसी भी कीमत पर वोट नहीं देंगे। भाजपा का यहां पर पूरी तरह से मामला खराब है, यहां पर एक भी वोट नहीं मिलेगा। किसान हर तरीके से बर्बादी की कगार पर पहुंच गया है।

प्राचीन और पौराणिक काल

मुजफ्फरनगर का यह क्षेत्र महाभारत काल की ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़ा हुआ है। जिले का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शुक्रताल (शुक्रतीर्थ) मुजफ्फरनगर से करीब 28 किलोमीटर दूर स्थित है, जहाँ मान्यता है कि 5हजार साल पहले शुकदेव गोस्वामी ने राजा परीक्षित को श्रीमद्भागवत पुराण की कथा सुनाई थी। इतिहासकारों के अनुसार, इस गंगा-यमुना दोआब क्षेत्र में शुरुआती दौर में ब्राह्मण और राजपूत निवास करते थे, जिसके बाद यहाँ जाट और गुर्जर समुदायों का आगमन हुआ

सबसे बड़ा ऐलान - गन्ना 700 भी कर दें तो भी वोट नहीं नेता को गांव से बाहर निकालेंगे : किसान संजीव कुमार

सबसे आक्रामक तेवर दिखाए किसान संजीव कुमार ने। संजीव ने कहा, हम खेती किसानी करते हैं। भाजपा के सारे दावे खत्म हैं। अबकी भाजपा की सरकार तो नहीं आएगी। आपकी जो भी आएगा बीजेपी का नेता, उसको गांव से बाहर निकाल देंगे, वोट नहीं देंगे। भाजपा पर अब भरोसा नहीं रहा। उन्होंने ललकारते हुए कहा, चाहे वह वादा करें 400 का गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 700 कर दे, हम फिर भी भाजपा को वोट नहीं करेंगे। यह जुमलेबाज पार्टी है, विकास के नाम पर जीरो है। भाजपा कहती कुछ है और करती कुछ है, भाजपा की कथनी और करनी में फर्क है।

वोटों का गणित

मुस्लिम 1.25 लाख वैश्य 70 हजार पाल 28 हजार पंजाबी-सिख 25 हजार जाट 25 हजार दलित 22 हजार ब्राह्मण-त्यागी 24 हजार 2017 का परिणाम कपिल देव अग्रवाल, भाजपा 97,838 गौरव स्वरूप, सपा 87,134 राकेश शर्मा, बसपा 21,038 पायल माहेश्वरी, रालोद 5640।

भाजपा के विक्रम सैनी वर्तमान विधायक

1967 में खतौली विस से सीपीआई के सरदार सिंह विधायक चुने गए थे। इसके बाद बीकेडी के टिकट पर वीरेंद्र वर्मा, 1974 में लक्ष्मण सिंह, 1980 में कांग्रेस से धर्मवीर सिंह, 1985 में लोकदल से हरेंद्र सिंह, 1989 में जनता दल से धर्मवीर बालियान, 1991 व 1993 में भाजपा के टिकट पर सुधीर बालियान, बीकेडी के टिकट 1996 और रालोद के टिकट पर 2002 में राजपाल बालियान, 2007 में बसपा के योगराज सिंह, 2012 में रालोद के करतार भड़ाना और 2017 और 2022 में भाजपा के विक्रम सैनी विधायक चुने गए थे।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

खतौली के बुद्धजीवियों और स्वतंत्रता सेनानियों ने राष्ट्रीय आंदोलनों में हिस्सा लिया, जिनमें शांति नारायण जैसे नाम प्रमुख रूप से इतिहास में दर्ज हैं।

खतौली को मिलता रहा है मंत्रालय

साल 2012 में परिसीमन के बाद खतौली सीट की जाट बेल्ट बुढ़ाना विधानसभा का हिस्सा हो गई। इतिहास देखें तो खतौली से जीतने वाले कई नेताओं को मंत्रालय मिला है। पश्चिमी यूपी की राजनीति के दिग्गज और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे वीरेंद्र वर्मा यहीं से विधायक बने थे। लक्ष्मण सिंह, धर्मवीर बालियान, सुधीर बालियान, योगराज सिंह खतौली से जीतकर ही अलग-अलग सरकारों में मंत्री रहे।

विधानसभा सीट पर एक नजर

खतौली विधानसभा क्षेत्र भारत के उत्तर प्रदेश विधानसभा के 403 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। यह मुजफ्फरनगर जिले का हिस्सा है और मुजफ्फरनगर लोस क्षेत्र के पांच विस क्षेत्रों में से एक है । इस विस क्षेत्र में पहला चुनाव 1967 में परिसीमन आदेश (परिसीमन आयोग - 1967) पारित होने के बाद हुआ था। 2008 में, संसदीय और विस निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन आदेश, 2008 पारित होने के बाद, इस निर्वाचन क्षेत्र को पहचान संख्या 15 आवंटित की गई थी। खतौली विस क्षेत्र का विस्तार जानसठ तहसील के खतौली, मंसूरपुर, पीसीएस जानसठ, तलाड़ा, तिसंग, मेहलकी, खेड़ाचोगावां, बसायच, जानसठ केसी के नंगलाचाधव, खतौली एनपीपी, खतौली (सीटी) और जानसठ एनपी है। यहां पर कुल 312446 मतदाता हैं ।

मध्यकालीन इतिहास और स्थापन

मुगल काल और किंग मेकर्स

मुगल साम्राज्य के अंतिम दिनों में इतिहास के प्रसिद्ध सैयद भाई (अब्दुल्ला खान और हुसैन अली खान), जिन्हें भारतीय इतिहास में किंग मेकर्स (राजा बनाने वाले) कहा जाता है, का संबंध इसी क्षेत्र (बरहा सादात) से था। 1707 से 1720 के बीच उनका राजनीतिक प्रभाव चरम पर था। उनके पतन के बाद यह क्षेत्र सिखों, स्थानीय मराठों और अन्य शासकों के नियंत्रण में रहा।

मुगल काल से पहले इस पूरे क्षेत्र को सरवट परगना के नाम से जाना जाता था। मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपने एक प्रमुख सेनापति और जागीरदार सय्यद मुजफ्फर खान बरहा (खान-ए-जहाँ) को यह क्षेत्र जागीर के रूप में उपहार में दिया था। इसके बाद, 1633 में मुजफ्फर खान के बेटे मुनव्वर लश्कर खान ने खेरा और सूज्डू गांवों की भूमि को मिलाकर अपने पिता के सम्मान में इस शहर की स्थापना की और इसका नाम बदलकर मुजफ्फरनगर रख दिया।

ब्रिटिश काल और स्वतंत्रता संग्राम ब्रिटिश नियंत्रण

वर्ष 1826 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने प्रशासनिक सुधार करते हुए मुजफ्फरनगर को एक अलग जिले का दर्जा दिया 1857 की क्रांति के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मुजफ्फरनगर सदर और आसपास के क्षेत्रों (जैसे शामली और चरथावल) के क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उग्र विद्रोह किया था। यहाँ के स्थानीय वीरों ने ब्रिटिश सेना को खदेड़ कर सरकारी कार्यालयों पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद ब्रिटिश सरकार ने कई क्रांतिकारियों को सरेआम फांसी और काला पानी की सजा दी थी

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चिकित्सकों व मरीजों के बीच भावनात्मक रिश्ता सबसे अहम

अभी हाल में डॉक्टर्स की भूमिका पर शोध हुए। वैश्विक सर्वेक्षणों में भी चिकित्सक सबसे भरोसेमंद पेशेवरों में शीर्ष पर हैं। परंतु कड़वा सच यह है कि समय के साथ यह पवित्र भरोसा कमजोर हो रहा है। दुर्घटना, गंभीर रोग में जान न बच पाने, शत-प्रतिशत परिणाम न आने या संवाद की कमी के कारण मरीजों और चिकित्सकों के बीच गहरी खाई पैदा हो रही है। इसी अविश्वास ने अस्पतालों में हिंसक घटनाओं को बढ़ाया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत चिकित्सक कार्यस्थल पर हिंसा या दुर्व्यवहार का सामना कर चुके हैं। चिकित्सा पेशे के अन्य आंकड़े और भी हृदय विदारक हैं। भारत में चिकित्सकों की औसत आयु सामान्य जनसंख्या की तुलना में लगभग दस वर्ष कम है। अध्ययन बताते हैं कि देश के 82.7 प्रतिशत चिकित्सक निरंतर भयंकर तनाव में जीते हैं। आज हमारा देश मेडिकल टूरिज्म के दुनिया गंतव्यों में थाईलैंड के साथ शीर्ष पर है। उन्नत तकनीकों ने चिकित्सा को नई ऊंचाइयां दी हैं लेकिन इस चमकती तस्वीर के पीछे हमारे चिकित्सकों का अथक त्याग है। सबसे बड़ी आवश्यकता है कि देश अपनी जीडीपी का जो 3.8 प्रतिशत स्वास्थ्य पर खर्च करता है, उसे बढ़ाकर 8 से 10 प्रतिशत किया जाए।

स्थायी समाधान तभी निकलेगा जब समाज स्वीकार करेगा कि चिकित्सक कोई चमत्कारी भगवान नहीं, बल्कि हाड़ मांस का मनुष्य है। उसे भी पर्याप्त विश्राम और उपचार का पूर्ण अधिकार है। सुरक्षित कार्यस्थल, पारदर्शी व्यवस्था और मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं अनिवार्य हैं। इस राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आइए, उस सफेद मुखौटे के पीछे छिपे इंसान के दर्द को समझें। भारत के मशहूर चिकित्सक डॉ. बिधान चंद्र रॉय को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अविश्वास की दीवारों को गिराकर विश्वास, करुणा और सम्मान का रिश्ता गढ़ें। स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है, जब हम अपने देखभाल करने वालों की देखभाल करेंगे।सरकारी अस्पतालों के आपातकालीन वार्डों में रेजिडेंट चिकित्सक बिना पर्याप्त नींद लिए, महज चाय-बिस्किट के सहारे 24 से 48 घंटे की निर्बाध ड्यूटी करते हैं। इतने कम समय में किसी अनजान की जटिल पीड़ा समझना चमत्कार है। इस अमानवीय कार्यभार का परिणाम है, बढ़ता बर्नआउट, अवसाद और चिकित्सकों में आत्महत्या की बढ़ती दर। महिला चिकित्सकों की स्थिति और असुरक्षित है। 9 अगस्त 24 को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में युवा महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुई वीभत्स घटना ने देश को झकझोर दिया। 40 प्रतिशत महिला चिकित्सक असुरक्षा के कारण कॅरियर के पहले छह वर्षों में पेशा छोड़ देती हैं। इन अनगिनत चुनौतियों के बावजूद भारत ने चिकित्सा क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है।

“ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत चिकित्सक कार्यस्थल पर हिंसा या दुर्व्यवहार का सामना कर चुके हैं। चिकित्सा पेशे के अन्य आंकड़े और भी हृदय विदारक हैं। भारत में चिकित्सकों की औसत आयु सामान्य जनसंख्या की तुलना में लगभग दस वर्ष कम है। अध्ययन बताते हैं कि देश के 82.7 प्रतिशत चिकित्सक निरंतर भयंकर तनाव में जीते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शिक्षा बचाने के लिए शिक्षक की बड़ी भूमिका

अविजित पाठक

यह कहने में मुझे (लेखक को) कोई संकोच नहीं कि जब छात्र शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं भेजते हैं, तो साथ मिलकर किए गए काम और क्रमिक विकास के उन खूबसूरत दिनों को याद करके खुशी महसूस होती है। बहुत आभार के साथ उन महान शिक्षाविदों को भी याद करता हूं जिनके प्रभाव ने पढ़ाने के मेरे तौर-तरीके को स्वरूप दिया। निस्संदेह, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होता है- उनकी विद्वत्ता और दार्शनिक सोच का। सावित्रीबाई फुले भी जेहन में आते हैं- हमारे पुरुष प्रधान और जाति-व्यवस्था वाले समाज में दबे-कुचले व हाशिए पर पड़े लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए उनकी हिम्मत और समर्पण के लिए।

लेखक के मुताबिक, 'अपने ढंग से मैं पाउलो फ्रेरे और बेल हुक्स जैसे लोगों के विचारों से जुड़ा- मुक्त विचारयुक्त शिक्षा की भावना, जिसने हमें प्रेरित किया; या मुझे रवींद्रनाथ टैगोर की काव्यात्मक रचना 'ए पोएट्स स्कूल', जिद्दू कृष्णमूर्ति की किताब 'स्कूल विदाउट फियर' और गिजूभाई बधेका के अद्भुत शिक्षण प्रयोग-जिसका ज़िक्र उनकी किताब 'दिवास्वप्न' में है-इनसे पुन: प्रेरित होना मुझे पसंद है। खुशी है कि किसी सत्ता के लालच ने नहीं, बल्कि सीखने, भूलने व अध्यापन के आनंद ने मेरी नियति को आकार दिया।' तथापि, लेखक स्वीकार करते हैं कि मौजूदा कठिन दौर में, उन्हें कुछ बेचैनी महसूस होने लगी है। उनके मुताबिक, 'क्या मैं सच में उस स्थिति में खुश हो सकता हूं और शिक्षक दिवस मना सकता हूं, जब हमारे शैक्षणिक संस्थानों की हालत बद से बदतर होते पाऊं और अपने छात्रों का दुख महसूस करूं? क्या अब इस दिन को मनाने की कोई वजह बची है?' असंतुष्ट छात्रों की इस पीढ़ी के संत्रास के बारे में सोचिए। हां, उनमें अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता है; और तनाव एवं बेचैनी से त्रस्त हैं। चाहे कोई अत्यंत कुलीन विद्यालय का छात्र हो या किसी छोटे शहर का वह युवा जो मानक बना दिए गए 'नीट' जैसी अहम कठिन परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, इस पीढ़ी का तनाव वाकई चिंता की बात है।

जब यह लेख लिखा जा रहा है तो आईआईटी-दिल्ली में एमएससी के एक छात्र की खुदकुशी की खबर आई और इस दुखद घटना पर प्रशासन के लापरवाही और अफसरशाही भरे रवैये के कारण वहां तनाव का माहौल है। इसी तरह, यह सोचकर कर दिल टूट जाता है कि नीट परीक्षा लीक विवाद के कारण इम्तिहान रद्द किए जाने और दोबारा तारीख तय होने के बाद कई छात्रों ने

खुदकुशी कर ली थी। जब राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़ों पर नज़र डालते हैं -2024 में छात्रों की आत्महत्या के 14,488 मामले- तो अहसास होता है कि काफी असमानता और असंतुलन वाले इस समाज में ऊपर उठने की होड़ ने हमारे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचाया है। इसी प्रकार, हमारे स्कूलों और विश्वविद्यालयों की दयनीय हालत के बारे में सोचिए। जहां गुमनाम गांवों और छोटे कस्बों में भी शानदार नामों वाले इंग्लिश-माध्यम/प्राइवेट स्कूल दिख जाते हैं, वहीं सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में 94,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं, देखिए कि किस प्रकार व्यवस्था ने अध्यापन के पेशे की अहमियत को घटाया है और उसे मामूली समझता है। वरना, इस बात को कैसे समझा सकते हैं कि सरकारी स्कूल के शिक्षकों को अक्सर पढ़ाना छोड़कर चुनाव का काम, जनगणना और वोटर लिस्ट में सुधार जैसे गैर-शैक्षणिक/प्रशासनिक काम करने में लगा दिया जाता है? इसके अलावा, यहां एक ऐसा तंत्र है जो अध्यापन से प्यार करने वालों का हौसला तोड़ता है। एक शिक्षक कैसे पढ़ा सकता है अगर युवा छात्र क्लास में आने से कतराएं और कोचिंग संस्थान चलाने वालों से पढ़ना पसंद करें? जी हां, हम सभी को 'डमी स्कूलों' का सामान्यीकरण किए जाने और भारत के 58,000 करोड़ रुपये के कोचिंग उद्योग के बीच गहरे संबंध पर सोचना चाहिए। जब 'सफलता के नुस्खे' बेचने वाले व्यापारी यह तय करने लग जाएं कि भौतिकी, गणित, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान की पढ़ाई कैसे की जानी चाहिए, तो क्या उन लोगों के लिए कोई जगह बचती है जो गहरे उतरकर और अर्थपूर्ण तरीके से पढ़ाना चाहते हैं-सिर्फ़ 'नीट'और 'जेईई' के लिए नहीं, बल्कि युवा दिमागों को संवारने, उनकी आलोचनात्मक सोच को धार देने और वास्तविक लोकतांत्रिक एवं वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए?

सच कहा जाए तो, जब कोचिंग माफिया को शिक्षा के क्षेत्र पर काबिज होते देखते हैं, तो शिक्षक दिवस मनाने का कोई अर्थ नहीं दिखता। साथ ही, जब हमारे विश्वविद्यालयों में अकादमिक आज़ादी न रहे और डर एवं निगरानी का माहौल विचारों, बहसों व मतभेदों के प्रवाह में बाधा डालता हो, तो शिक्षक दिवस महत्व खो चुका प्रतीत होता है।

वर्तमान को जीना भी है एक कला

सीताराम गुप्ता

कुछ लोग अपने जीवन में इस बात को लेकर बड़े निराश होते रहते हैं कि वे बहुत-सी चीज़ों, बातों अथवा जानकारी से वंचित रह गए। उनका मानना होता है कि वे अपने जीवन को और अधिक अच्छा बना सकते थे। अधिक पुस्तकें पढ़ सकते थे अथवा सत्संग आदि में अधिक समय व्यतीत कर सकते थे। अधिक योग्य, ज्ञानवान अथवा धार्मिक हो सकते थे। अधिक लोगों से मेलजोल बढ़ाकर अपना सामाजिक दायरा अधिक विस्तृत कर सकते थे। तात्पर्य यही है कि समय का और अधिक अच्छा उपयोग कर सकते थे। यदि हम जीवन में बहुत-सी चीजों, बातों अथवा जानकारी से वंचित भी रह गए तो भी हमें मायूस होने की जरूरत नहीं, क्योंकि वास्तविकता यही है कि हमारी सीमाएं अवश्य होती हैं। वास्तव में जो नहीं किया या नहीं हो सका, उस पर ध्यान देने के बजाय हमें अपना सारा ध्यान इस बात पर केंद्रित करना चाहिए कि हमें आगे क्या करना है और कैसे करना है?

आज तक हमने जो भी किया है, अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार अच्छा ही किया है, इस बात को मन में रखें और आज तक जो भी प्राप्त किया है, उसका पूरा-पूरा उपयोग अपने और समाज के हित में करें। यदि हम अपने अल्प ज्ञान अथवा कुशलताओं के बल पर एक बेहतर संतुलित जीवन व्यतीत कर रहे हैं और हमारे कारण समाज का अहित नहीं, कुछ न कुछ हित ही हो रहा है तो ये भी बहुत बड़ी बात है। समाज के समग्र विकास के लिए हर तरह के ज्ञान व कुशलताओं की ही नहीं, हर तरह की चीजों व हर तरह के लोगों की भी आवश्यकता होती है। बड़ी-बड़ी मशीनें जितनी महत्वपूर्ण होती हैं, उतनी ही महत्वपूर्ण होती हैं सामान्य उपयोग की छोटी-मोटी वस्तुएं भी। यदि फिर भी हमें लगता है कि हम सचमुच बहुत अच्छा नहीं कर पाए हैं तो ये पता चलना भी हमारे पूर्व में संचित ज्ञान और अनुभवों का ही परिणाम है, जो अपने आप में एक उपलब्धि ही है। यह हमें हमारे जीवन के शेषांश के लिए सही स्थितियों का चुनाव करने में सहायक होगा।

वैसे भी ज्ञान-विज्ञान अथवा सीखने की कोई सीमा नहीं। ज्ञान-विज्ञान के मुकाबले में मनुष्य के सीखने का काल अथवा उसकी जीवनावधि अत्यंत अल्प है। अपने पूरे एक जीवन में इस ब्रह्मांड के अथाह समुद्र रूपी ज्ञान की एक बूंद मात्र भी हम पूरी तरह से नहीं सीख सकते। संपूर्ण ज्ञान की बात करना ही निरर्थक होगा। यहां आकर हम द्वंद्व में फंस जाते हैं कि हम क्या सीखें और क्या न सीखें? क्या हम यूं ही जीवन को गुजार दें? नहीं। जीवन को हमें एक अच्छे तरीके से जीने का भरसक प्रयास करना चाहिए। जीवन को चलाने के लिए कुछ व्यावहारिक व कुछ विशिष्ट ज्ञान की आवश्यकता पड़ती है। जीवन में कहीं विशेष सिद्धांतों का पालन करना अनिवार्य होता है तो कहीं व्यावहारिक पक्ष को देखना। एक प्रतिष्ठित विद्वान प्रोफेसर व एक अनपढ़ नाविक की कथा तो आपने सुनी ही होगी। एक बार एक प्रोफेसर समुद्री जहाज से यात्रा कर रहे थे। वहां उनकी दोस्ती एक नाविक से हो गई। एक दिन विद्वान प्रोफेसर ने नाविक से पूछा, 'क्या तुमने दर्शन शास्त्र पढ़ा है?' नाविक ने नकारात्मक मुद्रा में सिर हिलाते हुए कहा, 'नहीं।' इस पर प्रोफेसर ने नाविक से कहा कि दर्शन शास्त्र न पढ़कर उसने अपनी ज़िंदगी का चौथाई भाग व्यर्थ कर डाला है। अगले दिन विद्वान प्रोफेसर ने नाविक से फिर पूछा, 'क्या तुमने साहित्य का अध्ययन किया है?'

इस बार फिर नाविक ने नकारात्मक मुद्रा में सिर हिलाते हुए कहा, 'नहीं, मुझे तो पता ही नहीं साहित्य क्या होता है।' इस पर प्रोफेसर ने नाविक से कहा, 'यदि तुमने साहित्य का अध्ययन नहीं किया है तो तुमने अपनी ज़िंदगी का आधा भाग व्यर्थ कर डाला है।' प्रोफेसर और नाविक के मध्य वार्तालाप चल ही रहा था कि तभी समुद्र में तूफान आ गया और ऊंची-ऊंची लहरें उठने लगीं। जहाज बुरी तरह से हिलने लगा। तूफ़ान के शोर में एक-दूसरे की आवाज़ तक नहीं सुनाई पड़ रही थी। तभी नाविक ने चिल्लाकर प्रोफेसर से पूछा, 'प्रोफेसर साहब, क्या आपको तैरना आता है?' प्रोफेसर ने कहा कि उसे तैरना नहीं आता। इस पर नाविक ने कहा, 'प्रोफेसर साहब, आपने तो अपनी पूरी जिंदगी ही व्यर्थ कर डाली है। अभी जहाज डूबने वाला है और जिसे तैरना आता है, उसी के बच निकलने की संभावना है।' यह कहकर नाविक अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गया। संदेश स्पष्ट है। जीवन में जितना महत्व विशिष्ट ज्ञान का है, उससे अधिक महत्व सामान्य व्यावहारिक ज्ञान व कुशलताओं का भी है।

हम जीवन में सहजता-सरलता की उपेक्षा कर ही नहीं सकते। डिजरायली का एक कथन है कि हमें दुनिया की सारी चीजों के बारे में कुछ-कुछ और कुछ एक के बारे में सब कुछ सीखने की कोशिश करनी चाहिए। हम दुनिया की तमाम चीज़ों के बारे में सब कुछ नहीं सीख सकते। लेकिन कुछ भी न सीखना भी ठीक नहीं। जब हमें इस संसार में रहना है तो इस संसार की व्यावहारिकता को भी जानना ही चाहिए, अन्यथा जीवन संकट में पड़ जाएगा। हम चौबीसों घंटे पूरी दुनिया का नक्शा अपने दिमाग में न रखें, लेकिन जिस रास्ते से भी गुजरें, विशेष रूप से उसका नक्शा जरूर अपने दिमाग में रखें। जीवन-यात्रा में जहां भी खूबसूरत फूल खिले मिलें, उनसे अवश्य आनंदित हों। फिर हमारे जीवन के अगले क्षण की ही क्या गारंटी है? कल भी हमारी आंखों के सामने सुंदर-सुंदर फूल खिले हों, इसके लिए नए बीज बोते रहें, लेकिन वर्तमान की उपेक्षा किसी भी तरह से उचित नहीं।

ऐसे बनाएं बंगाल की फेमस

झालमुड़ी

पश्चिम बंगाल की झालमुड़ी सिर्फ एक स्नैक नहीं, बल्कि बंगाल की स्ट्रीट फूड संस्कृति की पहचान है। हल्की, मसालेदार और झटपट बनने वाली यह डिश हर उम्र के लोगों की पसंदीदा है। खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए आपको किसी खास कुकिंग स्किल की जरूरत नहीं होती। घर में मौजूद साधारण सामग्री से आप मिनटों में बाजार जैसी टेस्टी झालमुड़ी तैयार कर सकते हैं। अगर आपने भी मोदी जी की तरह चटपटी झालमुड़ी खाने का मन बना लिया है, लेकिन बाहर की गर्मी या भीड़ से बचना चाहते हैं, तो चिंता की कोई बात नहीं। इसे आप आसानी से घर पर ही बना सकते हैं और घर बैठे बंगाल के असली स्वाद का मजा ले सकते हैं।

झालमुड़ी बंगाल का एक प्रसिद्ध स्ट्रीट फूड है, जिसे मुरमुरे, मसाले और सरसों के तेल से तैयार किया जाता है। इसका स्वाद तीखा, खट्टा और बेहद लाजवाब होता है। इसे भेलपुरी या मुरमुरे चाट भी कहा जाता है।

सामग्री

झालमुड़ी बनाने के लिए आपको चाहिए मुरमुरे, बारीक कटा प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, उबले आलू, नमक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, सरसों का तेल, नींबू का रस, सेव।

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में मुरमुरे लें। उसमें प्याज, टमाटर, आलू और हरी मिर्च डालें। अब नमक, चाट मसाला और सरसों का तेल डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अंत में नींबू का रस डालें और तुरंत सर्व करें। झालमुड़ी का असली स्वाद सरसों के तेल से आता है। साथ ही इसे बनाकर तुरंत खाना जरूरी है, नहीं तो मुरमुरे नरम हो जाते हैं। चाहें तो मूंगफली और नारियल के टुकड़े भी डाल सकते हैं।

घर पर बनाएं बाजार जैसा

सांभर मसाला

स्वाद ऐसा उंगलियां चाटते रह जाएंगे बड़े और बच्चे

दक्षिण भारतीय खाना स्वादिष्ट और हेल्दी के साथ ही बनाने में भी आसान होता है, अगर आपको कुछ ट्रिक्स पता हों। डोसा हो, इडली या वड़ा, सभी के साथ सांभर परोसा जाता है। अगर आपको सही तरीके से सांभर बनाना आता हो तो खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। हालांकि सांभर बनाने के लिए सब्जियों और दाल के अलावा जो सबसे जरूरी सामग्री है, वो है सांभर मसाला। सांभर का असली स्वाद उसके मसाले में छिपा होता है। बाजार का मसाला अक्सर फ्लेवर में कम और प्रिजर्वेटिव्स से भरा होता है, लेकिन अगर आप इसे घर पर बनाते हैं, तो स्वाद और खुशबू दोनों ही बेहतरीन मिलते हैं। घर का बना सांभर न केवल हेल्दी होता है, बल्कि यह आपके हर खाने को खास बना देता है। घर पर बना सांभर मसाला आपके खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देता है।

सामग्री

1 कप धनिया बीज, 8-10 सूखी लाल मिर्च, 2 चम्मच चना दाल,1 चम्मच उड़द दाल,1 चम्मच मेथी दाना, 1 चम्मच जीरा, आधा चम्मच काली मिर्च, 8-10 करी पत्ते, आधा चम्मच हल्दी पाउडर।

तरीका

मसालों को एक कढ़ाई में बिना तेल के धनिया, दालें, मेथी और जीरा को हल्का सुनहरा होने तक भूनें। फिर मिर्च और करी पत्ते डालें, अब सूखी लाल मिर्च और करी पत्ते डालकर खुशबू आने तक भूनें। अब इसे ठंडा करें, गैस बंद करके मिश्रण को पूरी तरह ठंडा होने दें। अब इसे पीस लें फिर इस मिश्रण को मिक्सर में डालकर बारीक पाउडर बना लें और अंत में हल्दी मिलाएं। मसाले को एयरटाइट कंटेनर में रखें। होममेड मसाला 2-3 महीने तक फ्रेश रहता है। ज्यादा तीखापन चाहिए तो मिर्च बढ़ा सकते हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की बंटी से- अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

मोनू- अगर मुझे दूसरा दिमाग लगवाने की जरूरत पड़ी तो मैं तुम्हारा दिमाग लगवाना चाहूंगा। सोनू- मतलब तुम मानते हो कि मेरे पास जीनियस का दिमाग है? मोनू- नहीं, मुझे ऐसा दिमाग चाहिए जो पहले कभी यूज न हुआ हो...

कहानी | कौवा और दुष्ट सांप

एक जंगल में किसी पेड़ पर कौवे का एक जोड़ा रहा करता था। वो दोनों खुशी-खुशी जीवन बसर कर रहे थे। एक दिन जिस पेड़ पर कौवों का घोंसला था, उसी पेड़ के नीचे बने बिल में सांप रहने लगा था। जब भी कौवों का जोड़ा दाना चुगने के लिए जाता, सांप उनके अंडों को खा जाता था और जब वो वापस आते, तो उन्हें घोंसला खाली मिलता था, लेकिन उन्हें पता नहीं चल पा रहा था कि अंडे कौन ले जाता है। इस प्रकार से कई दिन निकल गए। एक दिन कौवे का जोड़ा दाना चुग कर जल्दी आ गया, तो उन्होंने देखा की उनके अंडों को बिल में रहले वाला एक सांप खा रहा है। इसके बाद उन्होंने पेड़ पर किसी ऊंचे स्थान पर छुपकर अपना घोंसला बना लिया। सांप को लगा कि कौवों का जोड़ा चला गया है, लेकिन शाम होते ही दोनों वापस पेड़ पर आ जाते हैं। कौवा के अंडों में से बच्चे निकल आए और वो बड़े होने लगे। एक दिन सांप को उनके नए घोंसले का पता चल गया। जैसे कौवे घोंसला छोड़ कर गए, सांप उनके घोंसले की ओर बड़ने लगा, लेकिन वापस पेड़ की ओर लौट रहे जोड़े ने सांप को उनके घोंसले की ओर जाता देख लिया और अपने बच्चों को पेड़ की ओट में छुपा दिया। सांप ने देखा की घोंसला खाली है, तो वह कौवों की चाल समझ गया और वापस बिल में जाकर सही मौके का इंतजार करने लगा। कौवे ने सांप से पीछा छुड़ाने के लिए एक योजना बनाई। कौवा उड़कर जंगल के बाहर बने एक राज्य में चला गया। वहां एक सुंदर महल था। महल में राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। कौवा उसके गले में से मोतियों का हार लेकर उड़ गया। सभी ने शोर मचाया, तो पहरेदार हार लेने के लिए कौवे का पीछा करने लगे। कौवे ने जंगल में पहुंचकर हार को सांप के बिल में डाल दिया, जिसे पीछा कर रहे सैनिकों ने देख लिया। जैसे ही सैनिकों ने हार निकालने के लिए बिल में हाथ डाला, तो सांप फुंकारता हुआ बाहर निकल आया। सांप को देखकर सैनिकों ने तलवार से उस पर हमला कर दिया, जिससे सांप घायल हो गया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया। सांप के जाने के बाद कौवा अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने लगा।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष काम में नेतृत्व की भूमिका निभाने का अवसर मिल सकता है। वरिष्ठों से संवाद रखें। नए ग्राहकों से संपर्क बन सकता है। बड़े आर्थिक फैसले सोच-समझकर लें।

वृषभ सहकर्मियों के साथ मिलकर काम करना बेहतर रहेगा। विवादों से बचें। बड़े सौदों की शर्तों की जांच करें और जल्दबाजी न करें। अचानक खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन संवाद और नेटवर्किंग से अवसर मिल सकते हैं। अपनी बात स्पष्ट रखें। मार्केटिंग और संपर्कों से जुड़े काम में गति आ सकती है। रिश्तों में मधुरता रहेगी।

कर्क दिन के शुरुआती हिस्से में काम का दबाव महसूस हो सकता है। शांत रहकर निर्णय लें। लेनदेन में सावधानी रखें और पुराने समझौतों की समीक्षा करें।

सिंह चंद्रमा के सिंह में आने के बाद आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना बढ़ सकती है। अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। नियमित दिनचर्या बनाए रखें।

कन्या ऑफिस की राजनीति से दूर रहें। अपने काम पर ध्यान देना बेहतर होगा। बड़े बदलाव करने से पहले सलाह लें और मौजूदा योजनाओं की समीक्षा करें।

तुला टीम के सहयोग से काम आगे बढ़ेगा। रचनात्मक कार्यों में पहचान मिल सकती है। साझेदारी में काम करने वालों के लिए नए अवसर बन सकते हैं।

वृश्चिक काम की अधिकता रहेगी, लेकिन मेहनत से लक्ष्य पूरा किया जा सकता है। जोखिम वाले सौदों से बचें और देनदारियों पर ध्यान दें। वित्तीय मामलों में समझदारी से निर्णय लें।

धनु अटके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। वरिष्ठों से सहयोग मिलेगा। नए काम या समझौते पर विचार किया जा सकता है, लेकिन पूरी जानकारी जुटाएं। आय में वृद्धि होगी।

मकर मेहनत से कठिन काम पूरे होंगे। काम का दबाव रह सकता है। प्रॉपर्टी और कंस्ट्रक्शन से जुड़े काम में गतिविधियां बढ़ सकती हैं। संचित धन में वृद्धि होगी।

कुम्भ रचनात्मक कार्यों में पहचान मिल सकती है। बदलाव के नए विकल्प सामने आएंगे। तकनीकी क्षेत्र में नए संपर्क और प्रोजेक्ट की संभावनाएं बन सकती हैं।

मीन आपकी प्रतिभा की सराहना हो सकती है। वरिष्ठों के साथ संवाद अच्छा रखें। दूर के बाजारों से नए संपर्क बन सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से दिन अनुकूल है।

बॉलीवुड | रिकॉर्ड

'मिर्जापुर: द मूवी' व 'हनुमान अंश' मचा रहीं धमाल

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी और रवि किशन की गैंगस्टर-एक्शन फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए आज 4 दिन हो गए हैं और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 32 दिन हो गए हैं। इस समय ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक-दूसरे को टक्कर दे रही हैं। सोमवार को 'मिर्जापुर: द मूवी' और 'हनुमान अंश' की कमाई में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, इसके बाद भी दोनों फिल्मों का कलेक्शन करोड़ों में रहा। रिपोर्ट के अनुसार, पंकज त्रिपाठी और रवि किशन की फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' ने चौथे दिन यानी सोमवार को 15.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, जो रविवार के मुकाबले 56.9 प्रतिशत कम है। फिल्म ने हिंदी भाषा में 15.40 करोड़ रुपये और तेलुगु भाषा में 10 लाख रुपये की कमाई की है। इसी के साथ फिल्म ने भारत में अब तक 109.25 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है और 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर लिया है। वहीं, फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन अब तक 130.97 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। चौथे दिन फिल्म की टोटल ऑक्यूपेंसी 38.8 प्रतिशत रही और इसके 11,135 शो चले। रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार की सुबह के शो में 20.15 प्रतिशत, दोपहर के शो में 35.38 प्रतिशत, शाम के शो में 38.38 प्रतिशत और रात के शो में 60.69 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी रही। वहीं, दूसरी तरफ विशाल चतुर्वेदी के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने 32वें दिन यानी सोमवार को 9.50 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसमें 31वें दिन की तुलना में 58.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी के साथ फिल्म ने भारत में अब तक 131.63 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। वहीं, फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन अब तक 156 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

नोरा फतेही पर 3 करोड़ का मानहानि केस

एक एविएशन कंपनी ने एक्ट्रेस नोरा फतेही के खिलाफ 3 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है और उनके अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना कमेंट के कारण उनसे सफाई भी मांगी है। नोरा ने अपने इंस्टा पर प्लेन को लेकर जो वीडियो शेयर किया, उसे लेकर ही मामला सामने आया है। एक एविएशन कंपनी ने गांधीनगर कोर्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही के खिलाफ 3 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। कंपनी का आरोप है कि सोशल मीडिया पर उनके अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना कमेंट्स से कंपनी की साख को भारी नुकसान पहुंचा है, जिनमें उन्होंने कंपनी के चार्टर्ड प्लेन को लेगो एयरप्लेन कहा था। सीनियर सिविल जज आर। अग्रवाल की अदालत इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को करेगी। ड्यून्स एविएशन की ओर से दायर मुकदमे के अनुसार, नोरा ने पिछले साल दिसंबर में मुंबई-जयपुर उड़ान के दौरान सेसना साइटेशन सीजे2 विमान के अंदर वीडियो रिकॉर्ड किए थे। इन वीडियो में उन्होंने विमान को छोटा, टॉय और लेगो हवाई जहाज बताया था और उन्हें अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया था। कंपनी का आरोप है कि 4.6 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स वाली एक्ट्रेस के लापरवाही भरे बयानों की वजह से बुकिंग रद्द हुई और कंपनी के कमर्शियल कामकाज पर बुरा असर पड़ा। इस साल अप्रैल में दायर मुकदमे में कहा गया कि नोरा फतेही के बयान लापरवाही भरे, गैर-जिम्मेदाराना और बिना किसी तकनीकी जानकारी, पुष्टि या तथ्यात्मक आधार के दिए गए थे। ड्यून्स एविएशन ने कहा कि नोरा फतेही के बड़ी संख्या में फॉलोअर्स होने के कारण, उनके लापरवाही भरे बयानों से कंपनी की साख को गंभीर नुकसान पहुंचा है, गुडविल घटी है और कमर्शियल तौर पर बुरा असर पड़ा है। कंपनी की बुकिंग में 15-20 प्रतिशत की गिरावट आई है और कैंसिलेशन बढ़े हैं। कंपनी ने कहा कि जिस विमान से प्रतिवादी ने यात्रा की थी, वह स्टैंडर्ड और सही साइज का था, पूरी तरह से डीजीसी-सर्टिफाइड और उड़ान भरने के लायक था, और एक वैध हस्स्क्कके तहत कानूनी रूप से संचालित किया जा रहा था। 3 करोड़ के हर्जाने के अलावा, मुकदमे में कोर्ट से यह निर्देश भी मांगा गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से विमान के बारे में बयान या जिक्र वाले सभी कंटेंट तुरंत हटाए जाएं और एक्ट्रेस की ओर से सार्वजनिक स्पष्टीकरण दिया जाए।

एविएशन कंपनी का दावा- 20 प्रतिशत बुकिंग घटी, एक्ट्रेस दें सफाई

आशा भोसले को सितारों ने किया याद

दिग्गज सिंगर आशा भोसले भले ही अब हमारे बीच नहीं रही, लेकिन उनकी आवाज लोगों के दिलों में आज भी जिंदा है। 12 अप्रैल 2026 को मुंबई में 92 साल की उम्र में आशा भोसले का निधन हो गया था। वहीं आज, 8 सितंबर को उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर फिल्म जगत के कई सितारों ने उन्हें याद किया और सभी ने इमोशनल नोट भी लिखा है। डायरेक्टर सभाष घई ने आशा भोसले को उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर याद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर दिग्गज सिंगर संग फोटो शेयर की और लिखा, सुरीली आवाज आपकी पवित्र आत्मा और नेक दिल से ही निकलती है। मेरे लिए ये एक यादगार पल था जब मेरी प्यारी आशा जी ने मुझे व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल के स्टूडेंट्स के साथ स्टेज पर उनके साथ गाने का मौका दिया। ये मौका तब मिला जब वे स्टूडेंट्स के साथ वर्सटाइल सिंगिंग पर बातचीत कर रही थीं। हमारी आशा जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। एक्टर जैकी श्रॉफ ने भी सिंगर को आशा भोसले को याद किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक छोटी सी वीडियो क्लिप शेयर की है, जिसमें वो कुछ फोटो में उनका आशिर्वाद लेते दिख रहे हैं, तो कुछ में उनके साथ बैठ कर बात करते नजर आ रहे हैं। सिंगर कुमार सानू ने आशा भोसले की बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर उनके साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर की है। साथ ही उन्होंने एक लंबा नोट भी लिखा। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, आज आशा जी के जन्मदिन पर, मुझे न सिर्फ उनकी वो मशहूर आवाज याद आ रही है जिसे पूरी दुनिया जानती है, बल्कि उस आवाज के पीछे छिपी एक खूबसूरत इंसान भी याद आ रही है। कुछ कलाकार ऐसे होते हैं जो सिर्फ गाने छोड़ जाते हैं, और कुछ ऐसे होते हैं जो एक पूरी विरासत छोड़ जाते हैं। आशा जी सचमुच उन्हीं में से एक थीं। उन्होंने आगे कहा, मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं कि मैंने उनके साथ संगीत का सफर तय किया और उन्हें जाना।

सुभाष घई से कुमार सानू तक हुए इमोशनल

सत्य निकेतन हादसा: सोनू सूद ने सरकार को दी नसीहत

दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास 5 मंजिला इमारत सत्य निकेतन देखते ही देखते पल भी में मिट्टी में मिल गया, जिसमें कई जानें गईं। इस घटना पर सोनू सूद मे दुख जताते हुए सरकार को कुछ जरूरी सलाह दी है। उन्होंने कहा, दिल्ली में करीब 7 लाख छात्र पढ़ते हैं लेकिन हॉस्टल में सिर्फ 30,000 सीटें हैं, मतलब 31 में से सिर्फ 1 छात्र को ही हॉस्टल मिल पाता है। सोनू सूद सामाजिक कार्य करने के साथ-साथ देश के बड़े मुद्दों पर अपनी राय रखने से पीछे नहीं हटते हैं। मंगलवार को उन्होंने सरकार को थोड़ा बदलाव लाने की बात कही है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बच्चों के सपने पूरे करने और उनकी जिंदगी सुरक्षित रखने के लिए सरकार को नीति में बदलाव लाने की बात की। उनका मानना है कि थोड़ा बदलाव न सिर्फ बच्चों की जान बचा सकता है, बल्कि उनके सपने पूरे करने में मदद भी कर सकता है। उन्होंने अपनी बात को शुरू करने के लिए बच्चों की व्यथा पर जोर दिया। सोनू सूद ने लिखा, हर साल लाखों छात्र अपने घर से दूर दूसरे शहर में सपने पूरे करने के लिए जाते है लेकिन क्या हम उन्हें रहने के लिए एक सुरक्षित जगह दे पा रहे हैं? दिल्ली में करीब 7 लाख छात्र पढ़ते हैं लेकिन हॉस्टल में सिर्फ 30,000 सीटें हैं। मतलब 31 में से सिर्फ 1 छात्र को ही हॉस्टल मिल पाता है। एक्टर का मानना है कि यूनिवर्सिटी के आसपास जमीन पर हॉस्टल बनवाया जा सकता है। उन्होंने लिखा, क्यों न यूनिवर्सिटी के आसपास जो सरकारी जमीन खाली पड़ी है, वहां सुरक्षित और सस्ते हॉस्टल बनाए जाएं? यूनिवर्सिटी को भी ज्यादा बिल्डिंग बनाने की इजाजत दी जाए ताकि कैंपस में ही ज्यादा हॉस्टल बन सकें। उन्होंने लिखा, इससे छात्रों को सुरक्षा, माता-पिता को सुकून मिलेगा और यूनिवर्सिटी और सरकार की भी कमाई होगी और सबसे बड़ी बात, हम कई जिंदगियों को सुरक्षित रख पाएंगे। एक्टर का कहना है छोटा बदलाव लोगों की जिंदगी को सपनों को पूरा कर सकता है। उन्होंने लिखा, कभी-कभी नीति में एक छोटा सा बदलाव किसी के सबसे बड़े सपने को बचा सकता है। दरअसल, दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार, 6 सितंबर 2026 की दोपहर को एक 5 मंजिला पुरानी इमारत (हॉस्टल/पीजी) ताश के पत्तों की तरह ढह गई, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

यूनिवर्सिटी को भी ज्यादा बिल्डिंग बनाने की इजाजत दी जाए

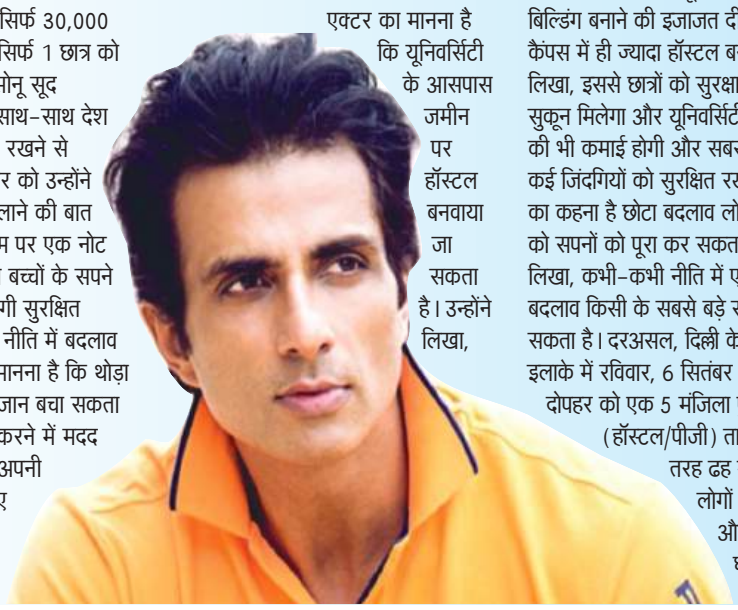

दिल्ली में नहीं, गुजरात में होगा 72वां नेशनल फिल्म अवॉर्ड

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह 2026 इस बार दिल्ली में नहीं बल्कि गुजरात में होने जा रहा है। 72 सालों में ये कोई पहली बार नहीं हो रहा है। इसके पहले भी इसे दिल्ली में आयोजित नहीं किया गया था। इसके पहले 1971 में इस परंपरा को तोड़ते हुए चेन्नई में इसका आयोजन किया गया था। अब 2026 में होने वाले इस समारोह को गुजरात के केवडिया में आयोजित किया जाएगा। जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 सितंबर को पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है। जुलाई में घोषित नेशनल अवॉर्ड पुरस्कारों का 72वां संस्करण हर बार की परंपरा से अलग होगा, हालांकि ऐसे उदाहरण भी रहे हैं जब समारोह दिल्ली से बाहर आयोजित किया गया है। 17वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन 1971 में चेन्नई में किया गया था। गौरतलब है कि नेशनल अवॉर्ड विनर्स की लिस्ट पहले ही जारी की जा चुकी है, जिसमें 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म चुना गया है, जबकि इसकी मुख्य अभिनेत्री यामी गौतम को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार के लिए चुना गया है। मलयालम सुपरस्टार ममूटी और बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को 'ब्रह्मयुगम' और 'चंदू चैंपियन' में उनकी भूमिकाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार संयुक्त रूप से यानी एक साथ दिया जाएगा। वहीं, अभिनेता एवं फिल्मकार रणदीप हुड्डा को विनायक दामोदर सावरकर पर बनी फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक के पुरस्कार के लिए चुना गया है। तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को 'संपूर्ण मनोरंजन वाली' सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार मिलेगा। इसके साथ ही अरुण माथेश्वरन द्वारा निर्देशित और धनुष अभिनीत तमिल फिल्म 'कैप्टन मिलर' को 'राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों' को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म चुना गया है। केवडिया का नाम बदलकर एकता नगर कर दिया गया है, जहां सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थापित की गई है। ये दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के नाम से मशहूर यह प्रतिमा 597 फुट ऊंची है और इसका अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में किया था।

72वां संस्करण हर बार की परंपरा से अलग होगा

विपक्ष के निशाने पर आई मान सरकार

कांग्रेस व भाजपा ने कानून-व्यवस्था को लेकर घेरा

» राहुल गांधी बोले- सरकार की नाकामियों पर सवाल उठाने पर मिल रही धमकी

» मुख्यमंत्री तत्काल मंत्री का इस्तीफा लें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। पंजाब में जैसे-जैसे विस चुनाव की आहट करीब सुनाई दे रही है वैसे ही वहां आप की मान सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस व भाजपा दोनों ने अभी से प्रहार शुरू कर दिया है। खासतौर से दोनों दलों ने उसे कानून व्यवस्था पर आड़े हाथों लिया है। राहुल गांधी ने बुधवार को पंजाब की आप सरकार पर एक ग्रामीण की कथित आत्महत्या को लेकर तीखा हमला बोला और मुख्यमंत्री भगवंत मान से तुरंत वित्त मंत्री हरपाल चीमा का इस्तीफा लेने तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। इस ग्रामीण ने राज्य में लगातार जारी नशीली दवाओं की आपूर्ति को लेकर मंत्री हरपाल चीमा से सवाल किया था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार के तहत एक ''खतरनाक प्रवृत्ति'' पैदा हो रही है कि यदि कोई सरकार की नाकामियों पर सवाल उठाता है, तो उसे जवाब के तौर पर धमकी और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। संगरूर जिले के दिरबा के रहने वाले दलित गुलजार सिंह (47) की सोमवार रात कथित तौर पर जहर खाने के बाद मौत हो गई। उनके परिवार के मुताबिक, उन्होंने छह सितंबर को दिरबा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री चीमा से इलाके में नशीले पदार्थों की लगातार हो रही आपूर्ति को लेकर सवाल किया था। अपमानित किया गया, माफी मांगने के लिए इतना दबाव बनाया गया कि उन्होंने जहर खा लिया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकते हुए इलाज के अभाव में आखिरकार वह जिंदगी की जंग हार गए। उन्होंने कहा, पिछले हफ्ते मैंने एक युवा मोहनजीत सिंह से भी बात की, जिन्हें मान के खिलाफ प्रदर्शन करने पर प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार का काम जनता को जवाब देना है, सवाल पूछने वालों को ''कुचलना'' नहीं। राहुल गांधी ने कहा, ''गुलजार सिंह जी के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। मुख्यमंत्री तत्काल वित्त मंत्री का इस्तीफा लें और सुनिश्चित करें कि एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच हो जिसकी प्राथमिकी में उनका नाम दर्ज किया जाए। कांग्रेस ने मंगलवार को भी चीमा को बर्खास्त करने की मांग की थी और कहा था कि गुलजार सिंह की मौत के लिए वह जिम्मेदार हैं। पंजाब में मादक पदार्थों का संकट राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। राज्य में 'चिट्टा' की लगातार हो रही आपूर्ति को लेकर चीमा से सवाल पूछने वाले गुलजार सिंह की कथित आत्महत्या के बाद भाजपा और कांग्रेस ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरना शुरू कर दिया है।

गुलजार सिंह जी के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले

शिअद ने भी सरकार से मांगा जवाब

वीडियो वायरल होने के बाद शिरोमणि अकाली दल (शिअद) समेत विपक्षी दलों ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार को घेरते हुए मामले की जांच की मांग की। इसका असर दिल्ली की राजनीति में भी देखने को मिला, जहां भाजपा और कांग्रेस ने भगवंत मान और हरपाल चीमा के इस्तीफे की मांग की। दोनों दलों ने आरोप लगाया कि सिंह को आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। राज्य में आने वाले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य सरकार पर संगरूर के ही एक अन्य ग्रामीण को कथित तौर पर हिरासत में प्रताड़ित करने के आरोपों को लेकर भी हमला बोला जा रहा है। आरोप है कि मादक पदार्थों के दुरुपयोग के मुद्दे पर 'आप' सरकार के खिलाफ काले झंडे लहराने और नारे लगाने के कारण उसे हिरासत में लेकर प्रताड़ित किया गया।

भाजपा ने बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर पंजाब सरकार को घेरा

भाजपा के राज्यसभा सदस्य तरुण चुग ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पंजाब में कानून-व्यवस्था से जुड़े कई मामलों की सीबीआई और एनआईए से जांच कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को ''राजनीतिक संरक्षण'' दे रही है। चुग ने अमृतसर में एक सितंबर को अपने आवास के बाहर हुए आप के प्रदर्शन में कथित गैंगस्टर कमल बोरी की मौजूदगी की जांच की भी मांग की। चुग ने कहा कि उन्होंने पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव को पत्र लिखकर उसकी पहचान की पुष्टि, दृश्य साक्ष्य सुरक्षित रखने और समयबद्ध जांच की मांग की है। उन्होंने आप में गुरप्रीत सिंह सेखों के शामिल होने का भी मुद्दा उठाया। चुग के अनुसार, सेखों को 16 के नाभा लाई-सिक्योरिटी जेल ब्रेक मामले में मार्च 23 में दोषी ठहराकर 10 साल की सजा सुनाई गई थी और उसकी अपील पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में लंबित है। पिछले दो वर्षों में पंजाब में 21 से अधिक हमले हुए हैं, जिनमें पुलिस थानों पर रॉकेट लॉन्चर और ग्रेनेड से हमले भी शामिल हैं। उन्होंने संगरूर के मोहब्बत सिंह और गुलजार सिंह से जुड़े मामलों का भी जिक्र किया। चुग ने कहा कि सीमा पार से मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी तथा संगठित अपराध की चुनौतियों के बीच अपराध, मादक पदार्थ नेटवर्क, तस्करी और राजनीतिक गतिविधियों के संभावित गठजोड़ की आंतरिक सुरक्षा के नजरिए से जांच जरूरी है।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

» दीप्ति शर्मा को फायदा, बल्लेबाजी में मंधाना-हरमनप्रीत शीर्ष 10 में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मंगलवार को जारी टी20 गेंदबाजों की सूची में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर शीर्ष क्रम पर बरकरार हैं। ताजा रैंकिंग में श्री चरणी पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे, इंग्लैंड की चार्ली डीन तीसरे, दक्षिण अफ्रीका की एन मल्बा चौथे और इंग्लैंड की लॉरेन बेल पांचवें स्थान पर हैं।

भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को दो स्थान का फायदा हुआ है। दीप्ति अब छठे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ति मौजूदा एशिया कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं। इंग्लैंड की लिंसे स्मिथ एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें है, और पाकिस्तान की नशरा संधु एक स्थान की नुकसान के साथ आठवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। महिला टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग पर नजर डालें तो, ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी पहले, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वॉल दूसरे, दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट तीसरे, वेस्टइंडीज की हिली मैथ्यूज चौथे, भारत की स्मृति मंधाना पांचवें, श्रीलंका की चमारी अथापट्टू छठे, भारत की शफाली वर्मा सातवें, न्यूजीलैंड की अमेलिया केर आठवें, ऑस्ट्रेलिया की ताहिला मैक्ग्रा नौवें और भारत की हरमनप्रीत कौर 10वें स्थान पर हैं।

एशियाड के दौरान तय आवास में ही ठहरेंगे भारतीय खिलाड़ी, बीसीसीआई संतुष्ट

नई दिल्ली। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को हालांकि विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेंगी।बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं। भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किए गए हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है। खिलाड़ी वहीं ठहरेंगे क्योंकि दूसरा विकल्प उन्हें ओसाका या टोक्यो में ठहराने का था, जो काफी दूर है।

दिल्ली की मतदाता सूची में चड्ढा का नाम शामिल

» आप ने उठाए प्रक्रिया पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब से भाजपा के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा का नाम राष्ट्रीय राजधानी की मतदाता सूची में जोड़ दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली की मतदाता सूची के एसआईआर के तहत जारी प्रक्रिया के दौरान उनका नाम राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र की सूची में शामिल किया गया। पंजाब से राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा का नाम राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की मतदाता सूची में जोड़ दिया गया है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत उनका नाम राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज किया गया है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि चड्ढा का नाम पंजाब की मतदाता सूची से हटा दिया गया है, जहां से वे राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, नाम जोड़ने की यह प्रक्रिया पूरी तरह नियम सम्मत है और हाल ही में स्वीकृत किए गए 7०% फॉर्म-6 आवेदनों में उनका नाम भी शामिल था। आप ने आरोप लगाया कि चड्ढा का नाम मतदाता सूची में जोड़ने में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। हालांकि, चुनाव अधिकारियों ने कहा कि उनका नाम सूची में अद्यतन प्रक्रिया के माध्यम से जोड़ा गया है। अधिकारियों के अनुसार, चड्ढा का नाम पंजाब की मतदाता सूची से हटा दिया गया है, जहां से उनकी पूर्व पार्टी आप ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली की 7० विधानसभा सीटों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 7० फॉर्म-6 मंजूर किए गए, जिनमें चड्ढा का नाम भी शामिल है।

जब से मैंने भ्रष्ट आम आदमी पार्टी छोड़ी है, उसका नेतृत्व इससे उबर नहीं पा रहा : चड्ढा

आप के आरोपों का जवाब देते हुए चड्ढा ने एक बयान में कहा, ऐसा लगता है कि मैं अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को परेशान कर रहा हूं... जब से मैंने भ्रष्ट आम आदमी पार्टी छोड़ी है, उसका नेतृत्व इससे उबर नहीं पा रहा है। उनका व्यवहार उस नाराज पूर्व साथी जैसा है, जिसे अभी-अभी छोड़ दिया गया हो। उन्होंने कहा, तथ्य सरल और स्पष्ट हैं। मैंने निर्वाचन आयोग के सभी लागू दिशा-निर्देशों और प्रक्रियाओं का पालन किया है और निर्धारित उपायों का सहारा लिया है। उन्होंने कहा, आप ने 'मतदाता सूची' को अपने 'पार्टी सदस्यता रजिस्टर' के साथ मिला दिया है। वह हर उस व्यक्ति को बाहर करना चाहती है जो केजरीवाल और उनकी भ्रष्ट आम आदमी पार्टी से अलग हो जाता है।

पटना में हाहाकार, जिंदगी बेहाल, कहां हैं सरकार : पप्पू यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने बिहार में बढ़ते बाढ़ संकट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर आई बाढ़ के कारण 22 ज़िलों में लगभग 55 लाख लोग भारी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। यादव ने बताया कि इस बाढ़ का असर हर आर्थिक वर्ग पर पड़ा है, जिसमें निम्न-मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग और गरीब लोग शामिल हैं। आखिर कहां है सरकार।

उन्होंने बताया कि बाढ़ का दायरा बक्सर से मनिहारी तक फैला हुआ है और भागलपुर, पटना, बेगूसराय और मुंगेर के कुछ हिस्से भी आंशिक रूप से जलमग्न हो गए हैं। उन्होंने पटना के हालात को बहुत गंभीर बताया और कहा कि शहर में सिर्फ़ चार-पांच किलोमीटर का ऊंचा इलाका ही दिखाई दे रहा है।

मराठा आरक्षण पर सीएम फणनवीस एक साल से गुमराह कर रहे : जरांगे

» बोले- इसकी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालना। आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी राधाकृष्ण विखे पाटिल पर आरोप लगाया कि वे एक साल से अधिक समय से आरक्षण के मुद्दे पर मराठा समुदाय को गुमराह कर रहे हैं। जालना के अंतरवाली सराटी गांव में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के 11वें दिन स्वास्थ्य बिगड़ने पर जरांगे को मंगलवार तड़के नस के जरिए (आईवी) तरल पदार्थ लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

वहीं, मराठा आरक्षण पर बनी उपसमिति के प्रमुख विखे पाटिल ने उनसे 'दो कदम आगे बढ़ने' और अपनी मांगों पर राज्य सरकार के सकारात्मक फैसलों को स्वीकार करने का आग्रह किया। चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, जरांगे पानी की कमी की समस्या से पीड़ित हो गए। मंत्रियों की ओर से सरकार द्वारा जल्द कार्रवाई किए जाने का आश्वासन मिलने के बाद रात ढाई बजे से सुबह सात बजे के बीच उन्हें आईवी के जरिए चार बोतल तरल पदार्थ चढ़ाए गए।

ईडी का कर्नाटक में छापा, सियासत ने खोया आपा

राजनीतिक गलियारों में मचा हड़कंप, मंत्री सतीश जारकीहोली और सांसद बेटी प्रियंका के 18 ठिकानों पर छापेमारी

» मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा मामला

» कांग्रेस और भाजपा में तीखी नोकझोंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार (9 सितंबर) को कर्नाटक की राजनीति में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के कद्दावर नेता और लोक निर्माण विभाग मंत्री सतीश जारकीहोली तथा उनकी बेटी व चिक्कोडी से सांसद प्रियंका जारकीहोली के परिसरों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) मामले की जांच के सिलसिले में केंद्रीय एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने राज्य भर में करीब 18 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया है। इस हाई-प्रोफाइल कार्रवाई के बाद राज्य के राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार (9 सितंबर) को मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली, उनकी बेटी और सांसद प्रियंका जारकीहोली और कुछ अन्य लोगों से जुड़ी जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी इलाके में 64 वर्षीय मंत्री के घर समेत करीब 18 जगहों की तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि उनकी बेटी प्रियंका जारकीहोली, जो चिक्कोडी लोकसभा सीट से सांसद हैं, के ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करते हुए सभी परिसरों के बाहर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को तैनात किया गया है, ताकि बिना अनुमति किसी की आवाजाही न हो सके।

जून में रिश्तेदारों और अधिकारियों पर हुई थी कार्रवाई

गौरतलब है कि जारकीहोली परिवार केंद्रीय जांच एजेंसी के रडार पर काफी समय से था। इससे पहले इसी वर्ष जून के महीने में श्वछ ने बेलगावी में आबकारी विभाग के अतिरिक्त आयुक्त और सतीश जारकीहोली के बहनोई वाई. मंजूनाथ के आवास पर भी बड़े पैमाने पर तलाशी ली थी। उस समय मंजूनाथ के साथ-साथ मंत्री के कई अन्य करीबी करीबियों और रिश्तेदारों के घरों को भी खंगाला गया था।

कांग्रेस का केंद्र पर निशाना

कर्नाटक के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और उनकी नव-निर्वाचित सांसद बेटी पर श्वछ की इस सीधी कार्रवाई ने राज्य की राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने इस कार्रवाई को राजनीतिक रूप से प्रेरित करार देते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी : भाजपा

वहीं, दूसरी ओर विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी है और वह भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी निष्पक्ष जांच कर रही है।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी के खिलाफ ईडी ने मांगी एफआईआर

एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी ने केरल के डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस को पत्र लिखकर पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी टी. वीना और दामाद व विधायक पी.ए. मोहम्मद रियास के ख़िलाफ़ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। यह मामला कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड से जुड़े कथित रिश्वत मामले से संबंधित है। यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग और सीएमआरएस तथा विजयन की बेटी की कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस से जुड़ी संस्थाओं के बीच संदिग्ध अनियमित वित्तीय लेन-देन के आरोपों से जुड़ा है। पिछले महीने, ईडी ने वित्तीय लेन-देन मामले की जांच के सिलसिले में केरल के कोझिकोड में आठ जगहों पर तलाशी ली थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि ये तलाशी अभियान, इस मामले में ED द्वारा इस साल 27 मई को की गई पिछली छापेमारी का ही अगला कदम था। उन्होंने कहा कि मई में की गई तलाशी के दौरान, केंद्रीय एजेंसी को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीना से जुड़े कथित मनी ट्रेल (पैसे के लेन-देन) के कुछ नए सबूत मिले थे। 27 मई को, ED के कोच्चि ज़ोन ने CMRL के डायरेक्टर स्ह शशिधरन कार्था, सरन स कार्था, वीना और उनकी कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ़ मामले में 10जगहों पर तलाशी ली थी।

सोनी-क्रोमा के खिलाफ मुंबई पुलिस में शिकायत एफआईआर की मांग

» अब खुलेगा टीवी की असली कहानी का राज

» 4PM के जीएम एडमिन मनीष मौर्या ने मुंबई पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

» जांच में एक्टिवेशन, सर्विस और स्टॉक रिकॉर्ड खंगालने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिस टीवी को प्रीमियम बिल्कुल नया और फैक्ट्री फ्रेश बताकर करीब ढाई लाख रुपये में बेचा गया वही खरीद के महज एक महीने के भीतर गंभीर तकनीकी खराबी का शिकार हो गया। अधिकृत तकनीशियन की सर्विस के बाद समस्या दोबारा सामने आई और आखिरकार टीवी ने काम करना ही बंद कर दिया। अब मामला सिर्फ खराब टीवी और खराब सर्विस तक सीमित नहीं रहा है।

सोनी और क्रोमा के खिलाफ धोखाधड़ी की आशंका जताते हुए मुंबई पुलिस में शिकायत पहुंच गई है और एफआईआर दर्ज कर जांच की मांग की गई है। 4पीएम न्यूज नेटवर्क के जीएम एडमिन मनीष मौर्या ने मुंबई पुलिस आयुक्त को दी शिकायत में बताया है कि उन्होंने 7 जून 26 को अंधेरी, मुंबई स्थित क्रोमा स्टोर से सोनी ओएलईडी ब्राइवा 8 II, मॉडल K-55XR80Mw खरीदा था। शिकायत के मुताबिक टीवी खरीदने के लगभग एक महीने के भीतर गंभीर तकनीकी खराबी आ गई। सोनी के अधिकृत तकनीशियन ने टीवी की जांच और सर्विस की लेकिन समस्या दोबारा पैदा हो गई। इसके बाद टीवी पूरी तरह बंद हो गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सोनी और क्रोमा से लगातार संपर्क तथा रिपलेस्मेंट अथवा रिफंड की मांग के बावजूद उन्हें संतोषजनक समाधान नहीं मिला। शिकायत में कहा गया है कि इतने महंगे नए टीवी में खरीद के तुरंत बाद बार-बार गंभीर खराबी सामने आने से यह आशंका पैदा हुई कि कहीं उत्पाद की पूर्व एक्टीवेशन, इंस्टालेशन, यूसेज, रिटर्न, रिपेयर अथवा रिअम्ब्रस्मेंट से जुड़ी कोई जानकारी छिपाई तो नहीं गई। यही वह बिंदु है जिसने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है। मनीष मौर्या ने पुलिस से मांग की है कि जांच के दौरान टीवी का सीरियल नम्बर, मैन्यूफैक्चरिंग रिकार्ड सोनी एक्टीवेशन और इंस्टालेशन हिस्ट्री वारंटी रजिस्ट्रेशन आदि सुरक्षित कराए जाएं। इन रिकॉर्ड से यह साफ हो सकता है कि टीवी वास्तव में फैक्ट्री फ्रेश था या उससे पहले उसका कोई इस्तेमाल अथवा सर्विस इतिहास था। मनीष मौर्या का साफ कहना है कि वह बिना जांच के यह दावा नहीं कर रहे कि टीवी निश्चित रूप से पुराना था। उनका कहना है कि संदेह की वजह सामने आए घटनाक्रम और इतनी कम अवधि में हुई गंभीर खराबी है जिसकी सच्चाई कंपनी के रिकॉर्ड की जांच से सामने आ सकती है।

शिकायत में जांच के दौरान यदि धोखे से नया उत्पाद बताकर धन लिए जाने के तत्व सामने आते हैं तो बीएनएस की धारा 318, जिसमें चीटिंग का प्रावधान है, तथा परिस्थितियों के अनुसार धारा 318(4) समेत अन्य लागू धाराओं में कार्रवाई की मांग की गई है।

तेलंगाना से बीआरएस के 22 विधायक पूरे मानसून सत्र के लिए सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा में आसन के समक्ष आ कर नारेबाजी करते हुए सदन की कार्यवाही बाधित करने के कारण बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 22 सदस्यों को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया।

विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही बीआरएस सदस्यों ने आसन के समक्ष आ कर 'हमें न्याय चाहिए' जैसे नारे लगाए। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने दो दिन पहले पार्टी की महिला विधायकों के खिलाफ पुलिस की कथित मनमानी (जब पुलिस ने विधानसभा गेट पर बीआरएस विधायकों को रोका) और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की मौत की कामना करने संबंधी सत्तारूढ़ कांग्रेस के कुछ सदस्यों की कथित टिप्पणियों पर चर्चा की मांग करते हुए कार्यस्थगन प्रस्ताव दिया।

यूएस नागरिक पर यूएपीए नहीं लगाने को लेकर निशाने पर एनडीए सरकार

» कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना, जयराम रमेश केंद्र पर हमलावर, पूछा- किसके दबाव में झुकी मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। म्यांमार में सशस्त्र समूहों को प्रशिक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार एक अमेरिकी नागरिक के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट में यूएपीए की धारा न लगाने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू एरॉन वैनडाइक और छह यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ दाखिल आरोपपत्र में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए की धाराएं नहीं लगाई हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एजेंसी पर आतंकवाद से जुड़े आरोप हटाने के लिए किसी तरह का दबाव डाला गया था।

एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जयराम रमेश ने सवाल किया कि क्या एनआईए का यह फैसला निष्पक्ष और सही जांच के नतीजे पर आधारित था या फिर अमेरिकी अधिकारियों के कहने पर मोदी सरकार के दबाव में लिया गया। क्या एनआईए ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक के खिलाफ आतंकवाद से जुड़े आरोप सही जांच के बाद हटाए या अमेरिकी अधिकारियों के कहने पर मोदी सरकार ने तुरंत ऐसा करने के लिए दबाव डाला? इसके बदले भारत को क्या फायदा मिलने की उम्मीद है? यह दादागिरी जैसा लगता है।इससे पहले 2 सितंबर को मैथ्यू वैनडाइक के परिवार की ओर से चलाए जा रहे एक एक्स खाते से अमेरिकी सरकार से उन्हें तिहाड़ जेल से रिहा कराने की अपील की गई थी। परिवार ने दावा किया था कि मैथ्यू वैनडाइक बेगुनाह हैं।

छात्र को नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

» सीजेआई बोले- मजिस्ट्रेट की हिम्मत कैसे हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ग्रेटर नोएडा के एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। मामला गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दूसरे वर्ष के छात्र अक्षत त्रिपाठी को जारी नोटिस से जुड़ा है। यह मामला वरिष्ठ अधिवक्ता बिश्वजीत भट्टाचार्य ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने उठाया।

उन्होंने बताया कि छात्र को पांच लाख रुपये के निजी मुचलके का नोटिस दिया गया था। वकील के मुताबिक, यह कार्रवाई तब की गई, जब सुप्रीम कोर्ट छात्र प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर चुका है और छात्रों के खिलाफ भविष्य में किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगा चुका है।

कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने अक्षत त्रिपाठी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसमें पूछा गया था कि शांति बनाए रखने के लिए उनसे पांच लाख रुपये का निजी मुचलका क्यों न लिया जाए। इसके अलावा दो जमानतदारों से भी पांच-पांच लाख रुपये के मुचलके की मांग की गई थी। वरिष्ठ वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नोटिस पर अमल होने वाला था। हालांकि, बाद में मामला प्रेस में आने के बाद इसे वापस ले लिया गया। वकील ने कहा कि अधिकारियों की ऐसी कार्रवाई छात्रों के बीच डर का माहौल पैदा कर सकती है।

छात्र को नोटिस क्यों दिया गया?

चार सितंबर 26 को जारी नोटिस में पुलिस रिपोर्ट का हवाला दिया गया था। पुलिस ने आरोप लगाया था कि अक्षत त्रिपाठी विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच सरकार विरोधी और भ्रामक बातें फैला रहे थे। उन पर छात्रों को कॉकरेच जनता पार्टी यानी सीजेपी के प्रस्तावित धरने में शामिल होने के लिए उकसाने का भी आरोप लगाया गया। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी कथित गतिविधियों से काफी तनाव पैदा हुआ। इससे लड़ाई-झगड़े और शांति भंग होने की आशंका भी जताई गई थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने बीएनएसएस की धाराओं 126 और 135 के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए पर्याप्त आधार माना।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा